केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ७ मार्च, २०१० **समय : दोपहर २.०० से ४.१५** **कुल गुण : ७५**

स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	
विभाग-२, कुल गुण		

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેકર - નામ

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१	

प्रवेश-२

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''तुम इतनी कड़ी मेहनत करते हो फिर भी न जाने क्यों, वे तीनों तुम्हारे विरुद्ध बोल रहे थे ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''स्वामी एक ही हैं और वे हैं रामानन्द स्वामी ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''आप के भी प्रभु हैं ? वे कौन ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. गुणातीतानन्द स्वामी ने आत्मानन्द स्वामी को मवाद साफ करके स्नान करवाया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. श्रीजीमहाराज ने जीवुबा को मीठा उलाहना दिया ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-२	

३. प्रभाशंकर ने विवाह नहीं करने का निर्णय किया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ३ 'बोचासण के काशीदास' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-३		प्र-४	

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. गुणातीतानन्द स्वामी को कहाँ और कब भागवती दीक्षा दी ? | गुण : १ | |

....

....

२. योगीजी महाराज ने सत्संग का इतना बड़ा प्रचार किया फिर भी किसका नाम प्रथम स्मरण करते थे ? | गुण : १ | |

....

....

३. सगराम को कौन से स्वामी ने सत्संग में शामिल किया था ? | गुण : १ | |

....

....

४. शिक्षापत्री के अनुसार जीवनव्यवहार करनेवालों को श्रीजीमहाराज कौन सा वरदान देते हैं ? | गुण : १ | |

....

....

५. श्रीजीमहाराज ने प्रसन्न होकर दुबली भट्ट को क्या दिया ? | गुण : १ | |

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक [ ] केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ 'करोड़ रुपये खर्च करने पर भी.....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण कीजिए । (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-५		प्र-६	

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. हिंसा न करनी .....

.....

..... न कोईकुं लगात । गुण : २

२. यज्ञपुरुषमां .....

.....

.....

..... प्रगट करी । गुण : २

३. अपि भूरिफलं .....

.....

..... हि । गुण : २

४. विनाशकं ..... श्रीस्वामिनारायणमानमामि: ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

.....

.....

.....

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-७	

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. ''अक्षरधाम की अनेक मुक्त आत्माएँ आप लोगों में बसकर यह काम कर रही हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

२. ''उसको कौन पत्र देगा ?''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

३. ''भोजन कर लो, और सुनो, अब आज से कभी ऐसी प्रतिज्ञा मत करना ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. जीवणराम गुरु के बदले अब शिष्य बन गये ।

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

२. जागा स्वामी प्रसन्न होकर बोल उठे, ''आये भैया ! बहुत प्रतीक्षा करवायी ।''

.....

.....

.....

.....

..... गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-८		प्र-९	

३. कोठारी ने स्वामीश्री को सारंगपुर मन्दिर की व्यवस्था से मुक्त कर दिया ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ९ 'परिवर्तन' - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१०		प्र-११	

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. भगतजी महाराज और शास्त्रीजी महाराज का प्रथम मिलन कौन से प्रसंग पर और कहाँ हुआ ? गुण : १

.....

.....

२. शास्त्रीजी महाराज ने जगद्गुरु शंकराचार्य माधवतीर्थ को वरताल के बारे में क्या कहलवाया ? गुण : १

.....

.....

३. नारायणस्वरूपदासजी की प्रमुखपद की वरणी कहाँ की ? गुण : १

.....

.....

४. शास्त्रीजी महाराज ने एकान्तिक सत्पुरुष के लक्षण कहाँ और कौन से वचनामृत के अनुसार समझाये ? गुण : १

.....

.....

५. डुंगर भक्त को किसने और कहाँ दीक्षा दी ? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तियों की प्रतिष्ठा करवाने की किसकी इच्छा थी ? गुण : २

(१) ☐ केशवजीवनदासजी (२) ☐ योगेश्वरदासजी

(३) ☐ धर्मस्वरूपदासजी (४) ☐ बालमुकुन्ददासजी

२. हीराभाई की गुरुभक्ति । गुण : २

(१) ☐ हीराभाई को जमीन देकर काम बिगाड़ने का प्रयत्न ।

(२) ☐ स्वामीश्री के विरुद्ध कार्य करने के लिए रिश्वत लूँ, ऐसा मैं गुरुद्रोही नहीं हूँ ।

(३) ☐ मेरे शहर में मन्दिर बने, इसमें मेरी शोभा है ।

(४) ☐ स्वामीश्री की आज्ञा के अनुसार ही ये रुपये खर्च किये जायेंगे ।

३. स्पष्टवक्ता स्वामीश्री । गुण : २

(१) ☐ नरनारायणदेव की मूर्तियों की प्रतिष्ठा किस स्थान पर होगी ?

(२) ☐ वढवाण के ठाकुर साहब के हृदय में बात बस गई ।

(३) ☐ उसी के लिए तो यह माथा मुँडवाया है ।

(४) ☐ मध्य मन्दिर में तो श्रीजीमहाराज और गुणातीतानन्द स्वामी की ही मूर्तियाँ रहेंगी ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-१२	

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. **मार्ग हरि का है शूरों का :-** गोरधनभाई कोठारी के आसन के पास झीणाभक्त ने पद्मासन मुद्रा में ध्यान कर दिखाया तो प्रसन्न हुए विज्ञानानंद स्वामी ने कहा, 'साधु होकर शुकमुनि के पास रहना ।'

उ. .....

.....

..... गुण : १

२. **दिव्य समाधि :-** दूसरी बार की समाधि स्वामी रामरतनदास को गढ़पुर मन्दिर में गोपीनाथजी महाराज की मूर्ति को पैर पड़ते हुए लग गई । तब अक्षरपुरुषोत्तम महाराज को निवेदित किया हुआ दुपट्टा (खेस) समाधि में हरिकृष्ण महाराज ने उनको दिया ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

३. **अटूट विश्वास :-** अटलादरा में दक्षिणादा मन्दिर का सौ मन का पत्थर, पाँच लोहे की चेन से बाँधकर नीचे उतारते थे तब चार लोहे की चेन टूट जाने से कोठारी ने अक्षरपुरुष स्वामी को पत्थर के उपर बैठकर दुबारा लोहे की चेन बांधने को कहा ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

४. **शेषनाग के माथे पर खूँटा :-** महाराज ने रखे हुअे खीले मनजी जमादार ने उखाड़ दिए तो खीले की नोक पर लगा घी देखकर तुरन्त उसने वह खीला साफ करके जहाँ का तहाँ रख दिया ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

५. **गुणातीत समाधि स्थान में मन्दिर :-** विरमगाम के हरिशभाई दवे ने स्मृति मन्दिर की ज़मीन पचास हज़ार में तय की तब महारानी ने कायदा किया कि उस स्थान पर स्मृति मन्दिर को पास में (नज़दीक में) रखकर चार साल में संतनिवास पूर्ण करके बासठ हज़ार रुपये खर्च किया जाना चाहिए ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

६. **समर्थ वक्ता :-** साधु होने का अधिकार केवल ब्राह्मणों को ही नहीं है। गोपालानन्द स्वामी के प्रियपात्र और ब्राह्मी स्थिति के धारक सोमा भक्त और देवजी भक्त में देहभाव देखेंगे तो स्वामी नहीं सहेंगे ।

उ. .....

.....

..... गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**